लख जनम करू कुर्बान रे बरसना मेरी जान रे

लख जनम करू कुर्बान रे बरसना मेरी जान रे,

बरसाने की गलियां प्यारी,
लाडली जू की सखिया प्यारी,
मेरा कोटि कोटि प्रणाम रे,
बरसना मेरी जान रे.....

शीश झुकाऊ पहली पोड़ी,
महल में जाऊ दोहीं दोहीं,
वाह क्या महल तेरे की शान रे,
बरसना मेरी जान रे.....

रंग रंगीली लाडली प्यारी,
संग विराजे छेअल बिहारी,
मैं तो विक जाऊ बेगाम रे,
बरसना मेरी जान रे.....

परम प्राण धन राधा राधा,
राधा राधा राधा राधा ...
रवि की लग जाये प्रेम समाधा,
मिले चरनन रज विश्राम रे,
बरसना मेरी जान रे.....

स्वर : रवी नंदन शास्त्री जी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3429/title/lakh-janam-karu-kurban-re-barsana-meri-jaan-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |